⇒ पूर्वांचल श्रेणी उत्तर से दक्षिण की ओर पहाड़ियों का क्रम है – 'पनालु' (पटकाई, नागा, लुसाई (मणिपुर, मिजो), अराकान)

(A) पटकाई बूम :→ अरुणाचल प्रदेश और म्यांमार के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा

* 'बलुआ पत्थर' से निर्मित यह पर्वत की ऊँचाई – 2–3 हजार मी०

(B) नागा बूम :→ नागालैंड के बीच म्यांमार के बीच अंतर्राष्ट्रीय सीमा

* नागा पहाड़ी की सर्वोच्च चोटी – सारामती (3826 मी०)

* नागा पहाड़ी पश्चिम की ओर मुड़कर बनाती है – कोहिमा पहाड़ी
इसी पर कोहिमा नगर बसा है।

(C) लुसाई बूम – इसके दो भाग हैं – मणिपुर पहाड़ी

(i) मणिपुर पहाड़ी :→ यह मणिपुर और म्यांमार के बीच

* 'बरेल श्रेणी' → मणिपुर पहाड़ी को नागा पहाड़ी से अलग करती है।

* यही बरेल श्रेणी पश्चिम की ओर मुड़कर बनाती है
गारो, खासी, जयन्तिया पहाड़ी (मेघालय के पठार पर)
(W ⟶ E)

(ii) मिजो पहाड़ी – यह मणिपुर पहाड़ी के दक्षिण में है यह मिजोरम और म्यांमार के बीच अन्तर्राष्ट्रीय सीमा
इसकी औसत ऊँचाई – 1500m.

* सर्वोच्च चोटी – 'ब्लू माउंटेन' (2157 मी०)

⇒ पूर्वांचल श्रेणी की ऊँचाई उत्तर से दक्षिण ओर घटती जाती है।

हिमालय का प्रादेशिक वर्गीकरण

नदी तंत्र के आधार पर हिमालय का प्रादेशिक वर्गीकरण सर्वप्रथम 'सिडनी बुर्राड' ने किया। हिमालय के भाग क्रम से

* सिराकालिम –

(सबसे) (562 K.m)	सिन्धु और सतलज के बीच	(कश्मीर, H.P)	पंजाब हिमालय (जास्कर, लद्दाख, काराकोरम, पीरपंजाल, धौलाधर Hut)
(320 K.m)	सतलज और काली के बीच	(उत्तराखण्ड)	कुमायूँ हिमालय lowest
(800 K.m)	काली और तिस्ता के बीच	(नेपाल)	नेपाल हिमालय highest
(750 K.m)	तिस्ता और ब्रह्मपुत्र के बीच	(सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, भूटान)	असम हिमालय

अलकनंदा + मन्दाकिनी — रुद्रप्रयाग (अमरुद्र)

- कर्णप्रयाग

अलकनंदा + भागीरथी — देवप्रयाग (अभादे)

⇒ पंजाब हिमालय की प्रमुख चोटियाँ हैं —

यमुनोत्री और **बंदरपूछ**

⇒ कुमाऊँ हिमालय का — सर्वोच्च चोटी → नंदा देवी

- पश्चिमी भाग → गढ़वाल हिमालय, (सर्वोच्च चोटी → नंदा देवी)

- पूर्वी भाग — कुमायूं हिमालय,

— मुख्य चोटियां — (A) नंदा देवी (7817) (B) कामेत (7756)

सर्वोच्च चोटी (C) बद्रीनाथ और त्रिशूल (7138)

* कुमायूं हिमालय उद्गम स्रोत है — अलकनंदा, भागीरथी और यमुना नदी का।

⇒ अलकनंदा और भागीरथी देवप्रयाग में मिलती है यही से संयुक्त धारा 'गंगा' कहलाती है।

* कुमायूं हिमालय, '**माना**' और '**नेती**' दर्रे के द्वारा तिब्बत से जुड़ा हुआ है।

⇒ प्रादेशिक वर्गीकरण के द्वारा सर्वाधिक विस्तार नेपाल हिमालय का है। इसका विस्तार मुख्यतः नेपाल हिमालय में है। यहाँ की प्रमुख घाटी - काठमांडू घाटी (नेपाल का स्वर्ग)

⇒ विश्व की सर्वोच्च चोटियाँ नेपाल-हिमालय में हैं -

(A) माउन्ट एवरेस्ट (B) कंचनजंघा

* प्रादेशिक आधार पर नेपाल हिमालय सर्वोच्च हिमालय है।

* असम हिमालय की मुख्य चोटी - (A) नामचाबरवा (7756m)

(B) कुलाकांगड़ी (7531m.) (C) चुंबलहाड़ी (7327)

अन्य — काबरू, मांगसांगला, पोहुने etc

* असम हिमालय की सर्वोच्च चोटी - नामचाबरवा

* प्रमुख नदियाँ (असम हिमालय का) - दिहांग, दिबांग, लोहित, सुबनश्री, etc

Note :- असम हिमालय बर्मा में अराकानयोमा श्रेणी कहलाता है यह बंगाल की खाड़ी में जल के अन्दर है पुनः अण्डमान निकोबार द्वीप समूह के रूप में बाहर निकला है।

हिमालय की नदियाँ

हिमालय से होकर दो प्रकार की नदियाँ गुजरी हैं -

(A) हिमालय की पूर्ववर्ती नदी ⟹ वे नदियाँ जो हिमालय से भी पुरानी हैं और ये हिमालय से निकलती हैं। हिमालय की पूर्ववर्ती नदी कहलाती हैं।

ये नदियाँ हैं - सिन्धु, सतलज, गंडक, कोसी, ब्रह्मपुत्र

हिमालय के उत्थान के समय से ये नदियाँ इसका अपरदन कर रही हैं अतः ये हिमालय के आरपार गहरे गार्ज बनाती हैं।

गिलगित के पास गार्ज ⟹ सिन्धु नदी पंजाब हिमालय में गिलगित के पास 5200 मी० गहरा गार्ज बनाती है।

अरुण के पास गार्ज ⟹ कोसी नदी 'अरुणा' के रूप में नेपाल हिमालय में गहरा गार्ज बनाती है यहाँ इसमें 7 सहायक धाराएँ मिलती हैं अतः यह नेपाल में 'सप्तकोसी' कहलाती

नामचाबरुआ पर्वत के पास गार्ज ⟹ ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश में नामचाबरुआ पर्वत के पास गहरा गार्ज बनाती है।

(B) हिमालय की अनुवर्ती नदियाँ :-) वे नदियाँ जो हिमालय से निकली और सोमावतः हिमालय की अपेक्षा नई हैं - हिमालय की अनुवर्ती नदी कहलाती हैं।

हिमालय की तीनों श्रेणियों से निकलने वाली अनुवर्ती नदियाँ हैं -

(i) महान हिमालय की नदियाँ → गंगा, यमुना, काली, घाघरा, तिस्ता आदि — Code → यगंकाघाती

(ii) लघु हिमालय की नदी → व्यास, रावी, चिनाब, झेलम आदि — Code → झेराचि व्यास

(iii) शिवालिक श्रेणि की नदियाँ - हिंडन, सोलानी, महानन्दा (निकारसी) — Code → सोमहिन्द

⟹ नदी प्रणाली के अनुसार हिमालय से मैदानी भाग की ओर आने वाली नदियाँ तीन प्रकार की हैं ⟶

(i.) **सिन्धु प्रणाली** ⇒ इस प्रणाली की मुख्य नदी सिन्धु

⇒ सहायक नदी – रावी, सतलज, झेलम, चिनाब, व्यास

⇒ ये सारी नदियाँ हिमालय से निकलकर दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर अरब सागर में गिरती हैं

⇒ यही नदी समूह पंजाब, हरियाणा का मैदान बनाते हैं

(ii) **गंगा प्रणाली** ⇒ इसकी मुख्य नदी 'गंगा' है

सहायक नदियाँ → यमुना, सरयू, कोसी, बागमती, राप्ती, गंडक, रामगंगा, गोमती, शारदा, बूढ़ी गंडक, महानंदा

⇒ गंगा और उसकी सहायक नदियाँ उत्तरी मैदानी ढाल तक अनुसरण करती हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

(iii) **ब्रह्मपुत्र प्रणाली** ⇒ मुख्य नदी ब्रह्मपुत्र है

सहायक नदी – लोहित, दिबांग, दिहांग, स्वर्णश्री, मानस, सनकोसी, तिस्ता, रैडाक आदि

* ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत के पठार पर सांपो (सांगपो) नदी का अपहरण किया अतः ब्रह्मपुत्र को तिब्बत में सांगपो के नाम से जाना जाता है।